

## दुर्गा जी की आरती\_आरती जग जननी मैं तेरी गाऊँ

आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ।  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ।  
तुम बिन कौन सुने वरदाती।  
तुम बिन कौन सुने वरदाती।  
किस को जाकर विनय सुनाऊँ।  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ॥  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ।

असुरों ने देवों को सताया।  
असुरों ने देवों को सताया।  
तुमने रूप धरा महामाया।  
तुमने रूप धरा महामाया।  
उसी रूप का मैं दर्शन चाहूँ॥  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ

रक्तबीज मधु कै सब मारे।  
रक्तबीज मधु कै सब मारे।  
अपने भक्तों के काज सँवारे।  
अपने भक्तों के काज सँवारे।  
मैं भी तेरा दास कहाऊँ॥  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ

आरती तेरी करू वरदाती।  
आरती तेरी करू वरदाती।  
हृदय का दीपक, नैनो की बाति।  
हृदय का दीपक, नैनो की बाति।  
निसदिन प्रेम की ज्योति जगाऊँ॥  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ

ध्यानु भगत तुमरा यश गाया।  
ध्यानु भगत तुमरा यश गाया।  
जिस ध्याया माता, फल पाया।  
जिस ध्याया माता, फल पाया।  
मैं भी तेरे दर सीस झुकाऊँ॥  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ  
आरती जगजननी मैं तेरी गाऊँ

आरतीं तेरीं जो कोई गावे।  
आरती तेरीं जो कोई गावे।  
चमन सभी सुख सम्पति पावे।  
चमन सभी सुख सम्पति पावे।  
मैया चरण कमल रज चाहूँ॥  
आरती जगजननी में तेरी गाऊं

आरती जगजननी में तेरी गाऊं  
तुम बिन कौन सुने वरदाती।  
तुम बिन कौन सुने वरदाती।  
किस को जाकर विनय सुनाऊं॥  
आरती जगजननी में तेरी गाऊं  
आरती जगजननी में तेरी गाऊं

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36079/title/durga-ji-ki-aarti-aarti-jag-janani-mai-teri-gaau>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |